

# आर्थिक समीक्षा : 2020-21

- **फोकस बिन्दु** - कोविड-19 महामारी से नुकसान और प्रभाव
- **केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत - 29 जनवरी, 2021**
- **मुख्य आर्थिक सलाहकार - कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम**
- **विषय - जीवन और आजीविका की सुरक्षा (Saving lives & Livelihoods) एवं V-आकार सुधार**

## आर्थिक समीक्षा की मुख्य बिन्दु

- इस बार जीवन और आजीविका की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- वैश्विक आर्थिक उत्पाद, 2020 में 3.5% की कमी को पाटने के लिए संरचनात्मक ढाँचे में संवृद्धि पर बल दिया गया है।
- वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी छमाही में सरकारी खपत के कारण रिकवरी में 17% वृद्धि का अनुमान लगाया है।
- वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी छमाही में निर्यात में 5.8% और आयात में 11.3% की कमी आने का अनुमान है।
- इस बार 17 वर्षों में पहली बार चालू खाता सरप्लस GDP के 2% के बराबर होने का अनुमान है।
- आपूर्ति में वित्त वर्ष 2021 के लिए ग्रांस वैल्यू एडेड की विकास दर -7.2% रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 3.9% था।
- वित्त वर्ष 2021 के दौरान उद्योग और सेवा क्षेत्र में क्रमशः 9.6% और 8.8% की कमी हुई।
- भारत का सर्वाधिक आयात - चीन > अमेरिका > यूएई > हांगकांग से
- भारत का सर्वाधिक निर्यात - अमेरिका > चीन > यूएई > हांगकांग को
- कुल FDI प्रवाह 9.8 बिलियन डॉलर रहा (नवम्बर महीने में) भारत उभरते हुए बाजारों में इक्विटी प्राप्त करने वाला एकमात्र देश रहा।
- राज्य के अंदर तथा दो राज्यों के बीच आवागमन बढ़ोत्तरी के कारण GST संग्रह रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचा है।
- इस वर्ष चालू खाता सरप्लस GDP का 3.1% रहा।
- इस बार वाणिज्यिक निर्यात में 21.2% की कमी जबकि वाणिज्यिक आयात में 39.7% की कमी आई है।
- इस बार विदेशी मुद्रा भंडार अगले 18 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है।
- GDP के अनुपात में विदेशी कर्ज मार्च, 2020 के 20.6% से बढ़कर सितम्बर, 2020 में 21.6% हुआ।
- भारत 6 दिन में सबसे तेजी से 10 लाख टीका लगाने वाला देश बन गया है।
- भारत आपने पड़ोसी देशों और ब्राजील को टीका आपूर्ति करने वाला देश बन गया है।
- भारत दुनिया की पाँचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। जिसे सम्प्रभु क्रेडिट रेटिंग कम्पनी भी सबसे कम निवेश ग्रेड (BBB/Baa3) नहीं दिया गया है। भारत की राजकोषीय नीति रविन्द्रनाथ टैगोर की 'एक निर्भय मन' धारणा को स्पष्ट करती है।

- स्वास्थ्य क्षेत्र में सार्वजनिक खर्च को GDP के 1% से बढ़ाकर 2.5-3% होने से स्वास्थ्य देखभाल पर खर्च को 65% घटाकर 35% होने का अनुमान लगाया है।
- नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए भारत पहली बार नवोन्मेष इंडेक्स में 50 शीर्ष देशों के क्लब में प्रवेश किया है। देश में पेमेंट भागीदारी (भारतीयों द्वारा) 36% से बढ़ाकर अधिक करने पर जोर देनी चाहिए।
- GST की शुरुआत के बाद से लेकर पिछले 3 माह में मासिक GST संग्रह 1 लाख करोड़ के आँकड़े को पार कर गया है।
- 8 जनवरी, 2021 तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 586.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आँकड़े को छू गया है।
- ऋण सेवा अनुपात सितम्बर 2020 के अंत में 9.7% रहा, जो कि मार्च 2020 के अंत में 6.5% था।
- जून से दिसम्बर के दौरान राज्यों और संघशासित प्रदेशों में मुद्रास्फीति की दर 3.2 प्रतिशत से 11 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 0.3 प्रतिशत से 7.6 प्रतिशत थी।
- जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के तहत 8 राष्ट्रीय मिशनों की स्थापना की गई।
- प्रधानमंत्री-किसान योजना के अंतर्गत वित्तीय लाभ की 7वीं किस्त में दिसम्बर, 2020 में देश के 9 करोड़ किसान परिवारों के बैंक खातों में 18000 करोड़ रुपये की राशि सीधे जमा की गई।
- GVA से जुड़े सकल पूंजीगत निर्माण (जीसीएफ) में उतार-चढ़ाव की प्रवृत्ति देखने को मिली, जो 2015-16 में 14.7 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2013-14 में 17.7 प्रतिशत से 2018-19 में 16.4 प्रतिशत पर आ गई।

## आर्थिक समीक्षा के महत्वपूर्ण आँकड़े

### वित्त वर्ष 2020-21 में

- भारत की GDP वृद्धि दर - -7.7%
- कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर - 3.4%
- उद्योग क्षेत्र में वृद्धि दर - -9.6%
- सेवा क्षेत्र में वृद्धि दर - -8.8%
- राजकोषीय घाटा - 3.5%
- उपभेक्ता मूल्य सूचकांक - 6.6%
- थोक मूल्य सूचकांक - -0.1%
- विदेशी मुद्रा भंडार (8 जनवरी, 2021 तक) - 586.1 बिलियन \$

### वित्त वर्ष 2021-22 में

- भारत की वास्तविक GDP वृद्धि दर - 11%
- भारत की सांकेतिक GDP वृद्धि दर - 15.4%